Sanskrita Eka Daivi Upahara

संस्कृत एक दैवी उपहार

Document Information

Text title : Sanskrita Eka Daivi Upahara

File name : sanskRRitaekadaivIupahAra.itx

Category : misc, sanskritgeet

Location : doc_z_misc_general

Author : Vasudev Dwivedi Shastri

Proofread by : Mandar Mali

Description/comments : Sanskrita Prachara Pustaka Mala Sangraha 37

Acknowledge-Permission: Uttara Pradesha Sarvabhauma Sanskrit Prachar Karyalaya

Latest update : May 19, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

May 19, 2024

sanskritdocuments.org

संस्कृत एक दैवी उपहार

देवभाषा, विश्ववाणी का सुभग शृङ्गार है यह,
शारदा की मञ्जुवीणा का मधुर भंकार है यह ।
देखकर जिसको विदेशी भी चमत्कृत-चित्त होते,
चारु-चित्रण-चातुरी का चित्रमय संसार है यह ।
एक दिन भी देश का जिसके विना जीवन असम्भव,
वह हमारे धर्म-संस्कृति का परम आधार है यह ।
है नहीं जिसकी विपुलता की कहीं कोई इयत्ता,
रत्न-राशि-मरीचि-माला पुञ्ज पारावार है यह ।
तप्त, पीड़ित, मूर्च्छनामय, शोकहत मानव हृदय का,
स्निग्ध, शीतल, शान्तिमय विश्राम का आगार है यह ।
या, अधिक कहना निरर्थक, एक ही यह बात सच्ची,
मानवों को देवताओं से मिला उपहार है यह ।

– रचयिता - श्री. वासुदेव द्विवेदी शास्त्री

Proofread by Mandar Mali

Sanskrita Eka Daivi Upahara
pdf was typeset on May 19, 2024

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*